शासकीय दंत चिकित्सा महाविघालय इंदौर

//प्रेस नोट//

, शासकीय दंत चिकित्सा महविद्यालय इंदौर के वार्षिक खेलकूद कार्यक्रम के उपरांत दिनांक 01 फरवरी 2026 को समय दोप. 03.30 बजे से महात्मा गॉधी स्मृति चिकित्सा महाविघालय इंदौर के सभागार में सांस्कृतिक संध्या एवं पुरूष्कार वितरण **कार्यक्रम माननीय श्री राजेन्द्र शुक्ला जी उप मुख्यमंत्री मध्यप्रदेश शासन लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग के मुख्य आतिथ्य में संपन्न हुआ** । कार्याक्रम में विशेष अतिथि के रूप में माननीय श्री राकेश गोलू शुक्ला विधायक, विधान सभा क्षेत्र कं– 3 इंदौर डॉ.चन्द्रेश शुक्ला,अध्यक्ष म.प्र.राज्य दंत परिषद, श्री दीपक जैन टीनू मीडिया प्रभारी भारतीय जनता पार्टी डॉ. अरविन्द घनघोरिया अधिष्ठाता महात्मा गॉधी स्मृति चिकित्सा महाविद्यालय इंदौर, इंदौर,श्रीमति पंखुडी डोसी पार्षद वार्ड कं 55 नगर निगम इंदौर की उपस्थिति में संपन्न हुआ ।

डॉ.हर्ष चन्सोरिया,रीडर एवं रजिस्ट्रार मध्यप्रदेश राज्य दंत परिषद द्वारा कार्यक्रम के मुख्य अतिथि माननीय श्री राजेन्द्र शुक्ला जी उप मुख्यमंत्री मध्यप्रदेश शासन लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग एवं समस्त विशेष अतिथियों का स्वागत किया जाकर कार्याक्रम को विधिवत प्रारम्भ किया गया ।

दंत चिकित्सा महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ.अलका गुप्ता द्वारा मुख्य अतिथि एवं विशेष अतिथियों का स्वागत किया गाया ।

विशेष अतिथियों का स्वागत एवं परिचय डॉ.विलास नेवासर,प्राध्यापक डॉ.जया जोशी,प्राध्यापक डॉ.सौरभ गुप्ता, प्राध्यापक डॉ.पुनीत गुप्ता,रीडर,डॉ.विराग भाटिया, लेक्चरर, डॉ.स्वाती सोलंकी,लेक्चरर डॉ.कुलदीप राणा,लेक्चरर डॉ.शिल्पी ग्रिल गुप्ता, लेक्चरर द्वारा दिया गया ।

महाविद्यालय की प्राचार्या द्वारा वार्षिक प्रतिवेदन 2025 प्रस्तुत किया गया :–

गर्व और उत्तरदायित्व की गहन भावना के साथ मैं यह वार्षिक प्रतिवेदन प्रस्तुत कर रहा/रही हूँ, जो विगत वर्ष में हमारे संस्थान की नैदानिक एवं शैक्षणिक उत्कृष्टता का विवरण है।

यह संस्थान वर्ष 1961 में स्थापित किया गया था और यह राज्य का सबसे पुराना तथा एकमात्र शासकीय दंत चिकित्सा संस्थान है। हाल ही में इसने सेवा एवं शिक्षा के 65 वर्ष पूर्ण किए हैं।

यह संस्थान मध्य प्रदेश में तृतीयक स्तर की दंत चिकित्सा सेवाएँ प्रदान कर रहा है तथा देश के सभी राज्यों से आए विद्यार्थियों को दंत शिक्षा प्रदान करता है। दंत चिकित्साल में प्रतिदिन 700 से अधिक दंत रोगियों का उच्च स्तर पर सेवा प्रदान की जाती है । हमारे पास 1500 बीडीएस एवं 300 एमडीएस विद्यार्थियों का सशक्त पूर्व छात्र (एलुमनी) नेटवर्क है।

वर्ष 2026–27 के लिए बीडीएस सीटों की संख्या 50 से बढ़ाकर 100 करने हेतु हमने आवेदन किया है तथा एमडीएस सीटों में भी वृद्धि का प्रस्ताव है।

हमारी चल रही परियोजनाओं में शामिल हैंकृ

ओपीडी प्रतीक्षालय का विस्तार

पुराने भवन का नवीनीकरण

नए ए एवं बी ब्लॉकों का विस्तार

आगामी सुविधाओं में सीबीसीटी (CBCT) एवं कैडदृकैम (CAD-CAM) जैसी आधुनिक तकनीकों की स्थापना प्रस्तावित है।

शैक्षणिक गतिविधियों की बात करें तो राष्ट्रीय टूथब्रशिंग दिवसए विश्व पर्यावरण दिवस का आयोजनए सतत दंत शिक्षा (CDE) कार्यक्रमों का संचालन तथा विभिन्न कार्यशालाओं का आयोजन किया गया।

विभागवार गतिविधियों एवं उपलब्धियों पर प्रकाश डाला गया ।

प्रोस्थोडॉन्टिक्स एवं क्राउन एंड ब्रिज

दंत चिकित्सा की एक संरचनात्मक शाखाए जो जैव-संगत विकल्पों के माध्यम से मौखिक कार्यक्षमताए आराम एवं सौंदर्य की समग्र पुनर्स्थापना पर केंद्रित है।

ओरल एवं मैक्सिलोफेशियल सर्जरी

सिर एवं गर्दन के कठोर एवं कोमल ऊतकों से संबंधित जटिल रोगों, आघात (ट्रॉमा) तथा जन्मजात विकृतियों के शल्य चिकित्सा प्रबंधन हेतु समर्पित विभाग।

ऑर्थोडॉन्टिक्स एवं डेंटोफेशियल ऑर्थोपेडिक्स
दांतों की उचित पंक्तिबद्धता तथा चेहरे की वृद्धि में संशोधन के माध्यम से आदर्श ऑक्लूज़ल सामंजस्य एवं चेहरे की समरूपता प्राप्त करने में विशेषज्ञता।

कंज़र्वेटिव डेंटिस्ट्री एवं एंडोडॉन्टिक्स
दंत पल्प को प्रभावित करने वाले रोगों की रोकथाम, निदान एवं उपचार पर केंद्रितए साथ ही प्राकृतिक दांत की संरचना को संरक्षित रखने पर विशेष ध्यान।

पीरियोडॉन्टोलॉजी
यह विशेषज्ञता दांतों के सहायक ऊतकों — जैसे जिंजाइवा (मसूड़े), एल्वियोलर अस्थि तथा पीरियोडॉन्टल लिगामेंट — का प्रबंधन करती हैए जिससे सूजनजन्य रोगों से निपटा जा सके।

पीडियाट्रिक एवं प्रिवेंटिव डेंटिस्ट्री
विशेष रूप से बच्चों एवं किशोरों की मौखिक स्वास्थ्य आवश्यकताओं के अनुरूप, व्यवहार प्रबंधन तथा प्रारंभिक हस्तक्षेपात्मक देखभाल पर केंद्रित।

पब्लिक हेल्थ डेंटिस्ट्री

यह विभाग व्यक्तिगत स्तर की बजाय सामुदायिक स्तर पर मौखिक स्वास्थ्य संवर्धन, दंत रोगों की रोकथाम तथा दंत सेवाओं की पहुँच में सुधार पर केंद्रित है। विभिन्न शिविरों के आयोजन एवं अनुसंधान गतिविधियों के माध्यम से रोगों की रोकथाम पर विशेष बल दिया जाता है।

ओरल एवं मैक्सिलोफेशियल पैथोलॉजी एवं माइक्रोबायोलॉजी

प्रयोगशाला आधारित विशेषज्ञताए जो मुख एवं मुख-आसपास के क्षेत्रों को प्रभावित करने वाले रोगों की सूक्ष्म संरचना, कारणों एवं प्रभावों का अध्ययन करती है।

ओरल मेडिसिन एवं रेडियोलॉजी

दंत महाविद्यालय के निदान केंद्र के रूप में कार्य करने वाला यह विभाग मुख श्लेष्मिक घावों के नैदानिक निदान तथा ओरॉफेशियल दर्द के प्रबंधन पर केंद्रित है।

भविष्य में महाविद्यालय के लक्ष्य :–

"इस संस्थान के लिए हमारे भविष्य के लक्ष्य बेहतर रोगी देखभाल पर विशेष ध्यान देनाए अधोसंरचना में सुधार करनाए विद्यार्थियों के लिए एक आदर्श शिक्षण वातावरण का निर्माण करना तथा सॉफ्ट स्किल्स के शिक्षण एवं अधिगम को प्रोत्साहित करना हैं। ये सभी प्रयास संस्थान को देश के अग्रणी शासकीय दंत चिकित्सा महाविद्यालयों में एक विशिष्ट स्थान दिलाते रहेंगे"।

मुख्य अतिथि माननीय श्री राजेन्द्र शुक्ला जी उप मुख्यमंत्री मध्यप्रदेश शासन लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग एवं विशेष अतिथियों द्वारा विश्वविघालय स्तर पर सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन टॉपर विघार्थियों को प्रमाण पत्र वितरित कर सम्मानित किया गया । कार्यक्रम के अंत में विभिन्न प्रतियोगिताओं के सफल छात्र–छात्रओं को पुरूष्कार वितरण कर सम्मानित किया गया ।

कार्यक्रम में महाविद्यालय में बी.डी.एस. पाठ्यक्रम में नवीन प्रवेशित विघार्थियों व्हाईटकोर्ट सेरेमनी आयोजित की गई ।

स्नातक पाठ्यक्रम से उत्तीर्ण विद्यार्थियों को कन्वोकेसन शपथ दिलाई गई । कार्यक्रम में नृत्य, नाटक,एवं डांस के माध्यम से छात्र–छात्रओं द्वारा अपनी विभिन्न प्रस्तुतियॉ दी गई ।

अतं में डॉ मनीष वर्मा द्वारा कार्यक्रम में उपस्थित समस्त अतिथियों को धन्यवाद प्रेषित किया गया ।

(डॉ. अलका गुप्ता)
प्राचार्या
दंत चिकित्सा महाविद्यालय इंदौर
Principal
College of Dentistry, Indore
Govt. of Madhya Pradesh

प्रति,
संपादक दैनिक
————————
समाचार पत्र इंदौर ।